एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या M2 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र –I उपनिषद् साहित्य

उद्देश्य- उपनिषद् साहित्य के परिचयसहित प्रमुख उपनिषदों के मूल पाठ का अध्ययन |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. वृहदारण्यकोपनिषद्-तृतीय अध्याय मात्र
2. ईशावास्योपनिषद्-सम्पूर्ण
3. उपनिषदों का प्रतिपाद्य-इसके अन्तर्गत उपनिषदों का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है |

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - वृहदारण्यकोनिषद् , तृतीय अध्याय के प्रथम चार ब्राह्मण

द्वितीय इकाई - वृहदारण्यकोनिषद् , तृतीय अध्याय के पाँचवे से नवम् ब्राह्मण पर्यन्त

तृतीय इकाई - ईशावास्योपनिषद् , प्रथम से दश मन्त्र

चतुर्थ इकाई - ईशावास्योपनिषद् ग्यारह से समाप्ति पर्यन्त

पंचम इकाई - उपनिषदों के प्रतिपाद्य का समान्य परिचय एवं महत्त्व

सहायक पुस्तके:-

(1) वृहदारण्यकोनिषद्-गीताप्रेस गोरखपुर।
(2) ईशावास्योपनिषद्-गीताप्रेस गोरखपुर।
(3) भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र
(4) मीमांसा दर्शन- प्रथम व द्वितीय भाग-डॉ. राधाकृष्णन।
(5) भारतीय दर्शन- डॉ. एन. के. देवराज।

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II - न्यायदर्शन

उद्देश्य- भारतीय दर्शनशास्त्र की न्यायदर्शनपरंपरा के प्रमुख ग्रन्थ तर्कभाषा का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

तर्कभाषा (केशवमिश्रकृत) प्रामाण्यवाद तक

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - उपोद्घात से अयुतसिद्धनिरूपण तक ।

द्वितीय इकाई - समवायिकारण से प्रत्यक्ष विषयक बौद्धमत का निराकरण पर्यन्त

तृतीय इकाई - अनुमान प्रमाण - हेत्वाभास सहित

चतुर्थ इकाई - उपमान प्रमाण से अभाव प्रमाण खण्डन पर्यन्त ।

पंचम इकाई - प्रामाण्यवाद

सहायक पुस्तके:-

(1) तर्कभाषा -व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल

(2) तर्कभाषा व्याख्या - आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त ' शिरोमणि '

(3) न्याय प्रमाण परिक्रमा -डा अभेदानन्द

(4) भारतीय दर्शन - दत्ता एवं चटर्जी

(5) भारतीय दर्शन - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा

(6) भारतीय दर्शन - डॉ. एन.के.देवराज

(7) भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

(8) न्याय-वैशेषिक-दर्शन का इतिहास -धर्मेन्द्रनाथ शास्त्र

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT03

प्रश्न-पत्र III - काव्य एवं साहित्य -शास्त्र

उद्देश्य- संस्कृत काव्यशास्त्र तथा खंडकाव्य के अध्ययन में निपुणता |

पाठ्यक्रम- **80 अंक**

1. मेघदूतम्-कालिदास
2. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ-(प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद की 1-29 कारिकापर्यन्त)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई	-	मेघदूतम् (पूर्वमेघ)
द्वितीय इकाई	-	मेघदूतम् (उत्तरमेघ)
तृतीय इकाई	-	मेघदूतम् पर आधारित प्रश्न-पूर्वमेघ एवं उत्तरमेघ का सार, मेघ-मार्ग का वर्णन, यक्षिणी की विरह-अवस्था का चित्रण, प्रकृति-चित्रण, मेघदूत का काव्य सौन्दर्य/वैशिष्ट्य
चतुर्थ इकाई	-	साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)
पंचम इकाई	-	साहित्यदर्पण (तृतीय परिच्छेद 1-29 कारिका पर्यन्त)

सहायक पुस्तकें:-

(1) मेघदूतम्- कालिदास

(2) साहित्यदर्पण - पी.वी. काणे

(3) साहित्यदर्पण (विमला टीका) -शालिग्राम शास्त्री

(4) महाकवि कालिदास - रमाशंकर तिवारी

(5) मेघदूत -एक अध्ययन -वासुदेवशरण अग्रवाल

(6) संस्कृत के संदेशकाव्य - रामकुमार आचार्य

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020
प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT04
प्रश्न-पत्र IV - साहित्यशास्त्र के आचार्य एवं सम्प्रदाय

उद्देश्य- संस्कृत के साहित्य शास्त्र के प्रमुख आचार्य तथा उनके सम्प्रदायों का अधिगम |
पाठ्यक्रम - साहित्यशास्त्र (आचार्य एवं सम्प्रदाय) **80 अंक**

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - रस-सम्प्रदाय ।
द्वितीय इकाई - अलंकार एवं रीति सम्प्रदाय ।
तृतीय इकाई - वक्रोक्ति सम्प्रदाय ।
चतुर्थ इकाई - औचित्य सम्प्रदाय ।
पंचम इकाई - ध्वनि-सम्प्रदाय

सहायक पुस्तके:-

(1) अलंकारशास्त्र का इतिहास - डॉ. कृष्ण कुमार
(2) भारतीय साहित्यशास्त्र - जी. टी. देशपाण्डे
(3) भारतीय साहित्यशास्त्र- भाग-1-2, पं. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT05

प्रश्न-पत्र V - भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

उद्देश्य- भाषा विज्ञान, व्याकरणशास्त्रीय ग्रन्थ तथा अनुवाद का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. भाषा विज्ञान
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - भाषा विज्ञान इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है - भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषय वस्तु या क्षेत्र, विभिन्न पद्धतियाँ ,भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषाओं का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं पारिवारिक आनुवांशिका)

द्वितीय इकाई - इसके अन्तर्गत अधोलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है उच्चारण संस्थान, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनिनियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि नियम, आर्य भाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक

संस्कृत, लौकिक संस्कृत, प्राकृत पाली संस्कृत, प्राकृत पाली तथा अपभ्रंश के विशेष, सन्दर्भ में वैदिक लौकिक संस्कृत में अन्तर, वैदिक, लौकिक और प्राकृत भाषा की विशेषताएँ ।

तृतीय इकाई - लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत केवल समास, अव्ययीभाव और तत्पुरूष समास

चतुर्थ इकाई - लघुसिद्धान्तकौमदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत बहुव्रीहिसमास और द्वन्द्वसमास

पंचम इकाई - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सहायक पुस्तकें:-

(1) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
(2) भाषा विज्ञान -डॉ. कर्ण सिंह
(3) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
(4) भाषा विज्ञान - मंगलदेव शास्त्री
(5) भाषा विज्ञानस्य रुपरेखा- पं. गिरिधर लाल शास्त्री
(6) संस्कृत व्याकरण - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल
(7) प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT06

प्रश्न-पत्र VI - आर्ष काव्य एवं स्मृति

उद्देश्य- रामायण एवं महाभारत के परिचयसहित धर्मशास्त्रीय परंपरा के प्रमुख ग्रन्थ याज्ञवल्क्यस्मृति के प्रारंभिक अंश का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. रामायण (वाल्मीकि)- सामान्य परिचय
2. महाभारत - सामान्य परिचय
3. याज्ञवल्क्य स्मृति - आचाराध्याय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - रामायण - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, क्रम, प्रमुख आख्यान परवर्ती साहित्य के लिए प्रेरणा स्त्रोत, तत्कालीन संस्कृति व समाज

द्वितीय इकाई - महाभारत - रचनाकार रचनाकाल विषयवस्तु क्रम, महाभारत - आख्यान परवर्ती साहित्य के लिए प्रेरणा स्त्रोत, तत्कालीन संस्कृति व समाज

तृतीय इकाई - रामायण व महाभारत की तुलना

चतुर्थ इकाई - याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय प्रकरण 1-4

पञ्चम इकाई - याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय प्रकरण 5-8

सहायक पुस्तकें:-

(1) रामायण

(2) महाभारत

(3) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिल देव द्विवेदी

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास (उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान-सम्बंधित खण्ड) - बलदेव उपाध्याय

(5) याज्ञवल्क्य स्मृति - थानेशचन्द्र उप्रैती

(7) याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय - कमल नयन शर्मा

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 07 AU01

प्रश्न-पत्र VII - प्राचीन संस्कृत साहित्य

उद्देश्य- विश्व के साहित्य की प्राचीनतम परंपरा और भारतीय साहित्यिक धरोहर का परिचय |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य - वैदिक
2. प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य - लौकिक
3. नीतिशतक - भर्तृहरि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - वैदिक साहित्य परिचय- संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्

द्वितीय इकाई - वेदांग का सामान्य परिचय

तृतीय इकाई - आर्षकाव्य - रामायण व महाभारत का सामान्य परिचय

चतुर्थ इकाई - लौकिक का सामान्य परिचय - कालिदास, भास, अश्वघोष

पञ्चम इकाई - मूलपाठ- नीतिशतक- विद्या, परोपकार

सहायक पुस्तके:-

(1) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिल देव द्विवेदी

(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय

(3) नीतिशतक - डॉ. विश्वनाथ शर्मा

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास - प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2019-2020

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र I - गद्य, काव्य एवं पुराण

उद्देश्य- संस्कृत गद्यकाव्यपरंपरा के प्रमुख ग्रन्थ शिवराजविजय तथा नैषधीयचरित के प्रारंभिक अंशों के अध्ययनसहित पुराणों के परिचय का अधिगम |

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

शिवराजविजय (प्रथम विराम के प्रथम , द्वितीय निश्वास)

नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)

पुराण का सामान्य परिचय ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई	-	शिवराजविजय प्रथम तथा द्वितीय निश्वास
द्वितीय इकाई	-	शिवराजविजय तथा अम्बिकादत्त व्यास
तृतीय इकाई	-	नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्लोक 1 से 145 तक
चतुर्थ इकाई	-	नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) की विषयवस्तु तथा श्रीहर्ष का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
पंचम इकाई	-	पुराण का सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें -

(1) शिवराजविजय -अम्बिकादत्त व्यास

(2) नैषधीयचरितम् -श्रीहर्ष

(3) अम्बिकादत्त व्यास - एक अध्ययन - कृष्ण कुमार

(4) नैषधपरिशीलन - चण्डिकाप्रसाद शुक्ल

(5) संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय

(6) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल